Samvaad - A Tribal Conclave

Organised by Tata Steel

MORE POWER TO OUR TRIBES

घोषणा

ट्राईबल लीडरशीप प्रोग्राम 2019

एक बदलाव

जिसका समय आ गया है

हमारे देश के वे क्षेत्र जो सबसे गंभीर विकासात्मक चुनौतियों का सामना करते हैं, और साथ ही, देश की विकास की ज्यादतियों का सबसे बड़ा बोझ उठाते हैं, वे ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ हमारे आदिवासी रहते हैं। आज की विकास परिचर्चाओं को आदिवासी समुदायों से बहुत कुछ सीखना और और अनुकरण करना है ताकि हमारी सबसे ज्वलंत सामाजिक समस्याओं का सार्थक समाधान निकल सके और इस शुरूआत के लिए अभी से बेहतर समय और कुछ नहीं हो सकता है।

इस सांकेतिक बदलाव की प्रक्रिया में, हालांकि हमें जनजातीय समुदायों के भीतर ऐसे लीडर की आवश्यकता है जो इन मूल्य प्रणाली को आत्मसात करें, जिन पर आदिवासी अस्मिता और विकास आधारित है। यह सभी स्तरों पर हो सकता है, जो लोगों, मुद्दों, भौगोलिक स्थिति या सामाजिक स्तर तक ही सीमित नहीं है। टीएलपी ऐसे व्यक्तियों की तलाश में हैं, जो बदलाव लाएंगे एवं जनजातीय मूल्य प्रणालियों को प्रतिबिंबित करेंगे।

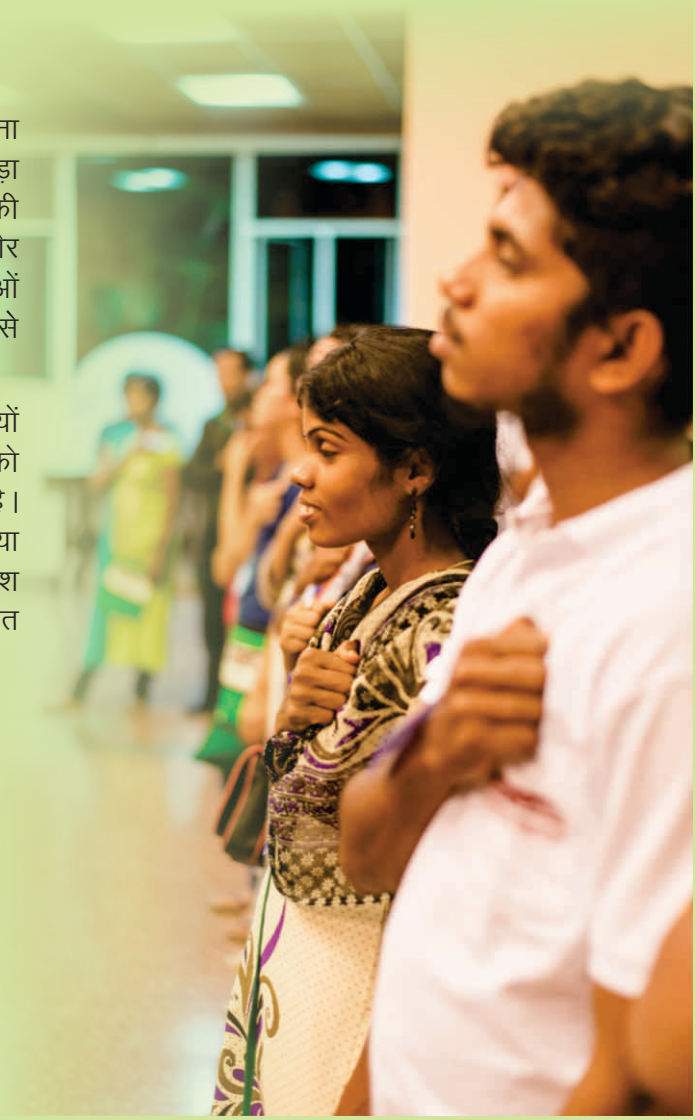

अपने अंदर छिपे लीडर को पहचाने

टीएलपी एक आवासीय कार्यक्रम है, यह आदिवासी समुदायों से ताल्लुक रखनेवाले उन लोगों के लिए है जो उन चुनौतियों को दृढ़ता से महसूस करते हैं, जिनका सामना जनजातीय समुदाय को आज करना पड़ रहा है। साथ ही जो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए जनजातीय सोच की शक्ति पर विश्वास रखते हैं और इस दिशा में काम करना चाहते हैं।

यदि आप इस विचार से जुड़ाव महसूस करते हैं, तो आप टीएलपी के तहत आते हैं।

लक्ष्य का निर्धारण

टीएलपी, का आयोजन टाटा स्टील के द्वारा एशिया प्लैटो, पंचगनी, महाराष्ट्र में किया जाता है जो अब अपने तीसरे वर्ष में पहुंच चुका है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जनजातीय युवाओं को एक दूसरे के साथ जुड़ने के दौरान सीखने, सह–शिक्षण और अपनी सफलताओं, असफलताओं तथा आकांक्षाओं की कहानियों को साझा करने के लिए एक गहन और अपनी तरह का अनूठा मंच प्रदान करना है।

आत्मचिंतन, संघर्ष–निपटान, नीति और कानून बनाने में अंतर्दृष्टि के माध्यम से, टीएलपी की रूपरेखा व्यक्तिगत आत्मचिंतन को प्रगात करने के साथ ही बाहरी क्षेत्रों में उपलब्ध प्रासंगिक ज्ञान को समाहित करने में सक्षम बनाने के लिए तैयार की गई है। यह व्यक्ति को नए सिरे से आत्मविश्वास और अंतर्दृष्टि वाले व्यक्ति के रूप में विकसित होने और मजबूत दृष्टिकोण वाले लीडर के रूप में उभरने का अवसर प्रदान करती है।

इस कार्यक्रम का लक्ष्य एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण में योगदान करना है, जिसमें जमीनी स्तर के अनुभव के आधार पर नेतृत्व की क्षमता हो।

टीएलपी आपको क्या देता है

टीएलपी एक साल का कार्यक्रम है जिसे प्रत्येक वर्ष अप्रैल महीने में सप्ताह भर चलने वाले पाठ्यक्रम के माध्यम से शुरू किया जाता है। यह टाटा स्टील के संवाद मंच को सशक्त बनाने के लिए विशेषज्ञ और सहकर्मी, दोनों परिप्रेक्ष्य से निरंतर सहयोग प्रदान करता है। विशेष रूप से, मुख्य बिंदुएं निम्नलिखित है:

- बाहरी चुनौतियों और दृढ़ता के लिए अपने आप को तैयार करने के लिए आंतरिक अभिशासन का पता लगाने के लिए एक स्थान
- प्रासंगिक और मौजूदा सामाजिक–राजनीतिक मुद्दों को समझने और विखंडित करने का एक मंच
- समाजिक बदलाव के लिए नेतृत्वगुणों की गहनता को सीखने में सक्षम बनाने के लिए विशेषज्ञों और संभावित मेंटर्स के साथ बातचीत
- जनजातीय विकास और पहचान पर एक परिप्रेक्ष्य प्रदान करना जिसमें जमीनी स्तर के अनुभव और वास्तविकता निहित है

"टीएलपी का हिस्सा होने का मतलब एक 185 सदस्यीय सशक्त एलुमनी नेटवर्क का हिस्सा बनना है जो विचारों के आदान–प्रदान और आपके प्रभाव को कई गुणा बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। टीएलपी नेटवर्क एक दूसरे के व्यक्तिगत और व्यवसायिक विकास को समर्थन देते हैं और सामाजिक मुद्दों पर सहयोग करते हैं।"

पूर्व छात्रों का संदेश

अकेले, हम विरोधियों के खिलाफ असफल हो सकते हैं। जब हम एकसाथ होंगे तो हमारा परिणाम तेज और प्रभावी होगा।

अशोक धिकार
(कोरकू, महाराष्ट्र)

आदिवासियों को आरक्षण की जरूरत नहीं है। हमें प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए और वह प्राप्त करना चाहिए जिसके हम वास्तव में हकदार हैं।

निखिल पीएस
(उल्लादन, केरल)

अपने घूंघट को हटा कर, मैं उस सड़क पर निकल गयी जहां मैं बहुत कम बार निकली थी।

चंद्रकली माराकम
(भरिया, एम.पी.)

उन्होंने कहा आप शापित हैं, लेकिन एक दिन मैंने अपने जीवन की बागडोर संभाल ली।

आशे किबा
(सुमी, नागालैंड)

हमारे भीतर से, क्रांति उभरेगी और बढ़ेगी

दीपा मिंज
(उरांव, झारखंड)

हमारा परिचय क्या है?

टाटा स्टील का जनजातीय समुदायों के साथ सौ साल से ज्यादा समय का साझा संबंध है, यह जनजातीयता में संबंधों का स्पष्ट दायरे पर एक समान विश्वास रखती है। हम जनजातीय पहचान को एक थीम के रूप में ध्यान केंद्रित करते हुए, टीएलपी के द्वारा शुभारंभ करते है जिसकी पराकाष्ठा संवाद, जो हर साल जमशेदपुर में आयोजित होनेवाले अखिल भारतीय जनजातीय सम्मेलन के समापन कार्यक्रम के साथ संपूर्णता तक जा पहुँचती है। हमारे दिमाग में कोई अगला साल नहीं है। हमारे दिमाग में अगला पांच साल भी नहीं हैं। हम आज से 15 से 20 साल आगे की ओर देख रहे हैं, जो जनजातीयता की आवाज में एक साहसिक बदलाव लायेगा, और हमें यह देखना है कि हम इसमें अपनी भूमिका कैसे निभा सकते हैं।

महत्वपूर्ण तिथियाँ:

1. आवेदन की प्रारंभिक तिथि : 6 फरवरी, 2019
2. आवेदन करने की अंतिम तिथि : 12 मार्च, 2019
3. अंतिम चयन सूची : 25 मार्च 2019
4. कार्यक्रम की तिथि : 22–27 अप्रैल, 2019

पात्रता:

आवेदक जनजातीय समुदाय से होना चाहिए जिसकी उम्र 20 से 35 वर्ष के बीच हो और हिंदी/अंग्रेजी में लिखने और बोलने की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

ज्यादा जानकारी के लिए हमसे जुड़ें

कबीर (दक्षिण भारत).	91 7070330002	पार्थ (मध्य भारत).	91 8340677281
अंकिता (झारखंड और ओडिशा).	91 9955924136	मानस्विता (उत्तर पूर्व भारत)	91 9835887460
नेहा(पश्चिम भारत).	91 8340727806		

आप https://goo.gl/forms/7bJLIZSzDTluDjGX2
लिंक पर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं
या
आपने आवेदन की स्कैन कॉपी apply4tlp@gmail.com ई-मेल आईडी पर भेज सकते हैं।

स्थान: एशिया प्लैटो, पंचगनी, महाराष्ट

TATA STEEL
WeAlsoMakeTomorrow